ISSN: 2582-6530

कंचनजंघा

वर्ष: 05, अंक: 08-11, जुलाई-2023 से जून-2025 (संयुक्त अंक)

अरुणाचल प्रदेश पर केंद्रित विशेष अंक

इस अंक में...

संपादकीय

पहाड़ों की चुप्पी में शब्दों की गूँज... — प्रदीप त्रिपाठी

अतिथि संपादकीय

अरुणाचल प्रदेश अंक: सुखे-दु:खे समे कृत्वा — राजीव रंजन प्रसाद

अंत:करण का आयतन

हिंदी के अनुष्ठान में अर्घ्य बनी एक पत्रिका : अरुण नागरी — देवराज

अरुणाचल प्रदेश में हिंदी के अभिभावक अध्यापक रमण शाण्डिल्य — राजीव रंजन प्रसाद

लेख

न्यीशी लोककथाओं का विभिन्न दृष्टियों से अध्ययन — जोराम आनिया

गालो लोककथाओं में उदात्त, मजबूत और यथार्थ-स्त्री छवि — तुम्बम रीबा

अरुणाचल-केंद्रित लेखन और नंद किशोर पाण्डेय — हरीश कुमार शर्मा

तांगाम जनजाति का मौखिक साहित्य : वर्तमान परिप्रेक्ष्य — तुनुङ ताबीङ

गालो समाज में बच्चों के जन्म संबंधी मान्यताएँ — दोगे ङमदिर

सच्ची कविता ही अच्छी कविता होती है — अभिषेक कुमार यादव

आदी समाज में 'नबीङ' की भूमिका — ईङ परमे

मिश्मी लोकगीतों में अभिव्यक्त श्रम-सौंदर्य — मो. जोहरुल इस्लाम

अरुणाचली लोकवृत्त की 'तानी कथाएँ' — विक्रम कुमार

गालो और हिंदी लोक-सुभाषितों में नीतिपरक विचार और उपदेशात्मक चेतना — रबोम बेलो

तांग्सा जनजाति के मुहावरों में प्रयुक्त गालियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन — रेमोन लोंग्कु

तानी समुदाय की कृषि संबंधी लोककथाओं में अभिव्यक्त आदिवासी जीवन-दर्शन — यागे काबाक

ईदु मिश्मी लोक साहित्य में जीवन-मूल्य — रीना कुमारी राय एवं आशा मिमी

बार्दो लोक-नाटक में दार्शनिकता के अभिव्यंजक तत्त्व — मिसुङ मदो

तागिन लोकगीत : ञ्मअ कबनम — चाचू दाई

ऊन्यिङ आरान : दक्षता एवं कौशल प्रदर्शन का आदी पर्व — नानू ताली

तवाङ : मनोरमता और लोकजीविता की पावन भूमि — लाम छोटन

पहाड़ी कोठार से

आबोतानी, मअजी यापम और किसिङ तामिङ की कहानी — तारो सिन्दिक
(तागिन लोक-कथाएँ : चयन- यापी बायोर)

जाईबोने (गालो लोक-कथा) — गुमजुम लोई

रिजुम हाअ्-रिमा हाअ् (तांग्सा लोक-कथा) — रेमोन लोंग्कु

घाटियों का स्वर

डेने सिटम डोनुना; पिलू जार्जु करिया लाये- कारिया लायी;
आङा यी ई मादु नअ सी ई (तागिन लोकगीत : चयन- यापी बायोर) — तारो सिन्दिक
इजी पेने पेबरे (न्यीशी लोकगीत) — यातो मूरी

भीतरी पाट से

न्यीशी लोकगाथा : संवेदना एवं स्वरूप — डूरी शांति

गालो लोक-कथाओं की प्रासंगिकता — गोरिक अतअ

भाषा-चेतना

मोनपा भाषा का हिंदी भाषा के संदर्भ में अध्ययन सोनाम वाङमू
गालो जनजाति की भाषा और लिपि व्यवस्था मोर्जुम लोयी

भाषा-शिक्षण

उत्तर-पूर्वी राज्यों में हिंदी भाषा-शिक्षण : समस्याएँ एवं समाधान (संदर्भ: अरुणाचल प्रदेश विशेष) अवधेश नारायण मिश्र एवं मीना कुमारी
बहुभाषाई एवं बहुसांस्कृतिक अरुणाचल प्रदेश में अनुवाद अध्ययन की आवश्यकता ज्योतिष पायेङ

कहानी

पुण्य ध्वजा येसे दोरजी थोंग्छी
अम्मा जोराम यालाम
ऑफिसर पत्नी तारो सिन्दिक

अनूदित कहानी

दोन्यी-पोलो अजन्ता
(अंग्रेजी से हिंदी) (अनुवादक: माधुर्ज्य कमल हाजरिका)

कविताएं

जमुना बीनी की पाँच कविताएँ
दोगे ङमदिर की दो कविताएँ
आईनाम इरिंग की तीन कविताएँ
गुम्पी डूसो लोम्बि की दो कविताएँ
दोरजी लोम्पु की तीन कविताएँ
सोनी रूमछु की चार कविताएँ
जोमयीर जीनी की दो कविताएँ
वांगो सोसिया की दो कविताएँ

अनूदित कविताएँ (अंग्रेजी से हिंदी)

गोकेन गेई की तीन कविताएँ

मियाज़ी हज़ाम की तीन कविताएँ

दोयिर एते की तीन कविताएँ

गंखु सुम्न्यां की दो कविताएँ

सुबी ताबा की दो कविताएँ

स्त्री-बोध

नेयाङः आन्ने और आदी स्त्री — पूर्णिमा ओसुनाम तायेङ

आदिवासी दर्पण

अनुष्ठानप्रिय मुकलोम जनजाति — चावाङ ताङहा

यात्रा-वृत्तांत

स्वर्ण पगोडा की भूमि-नामसाई — दयाराम वर्मा

गाँव-ज्ञान

'देसाली' गाँव का लोक-जीवन और लोक-रंग — रेनू मिसो

'दामिन' बस्ती और जैव-विविधता का लोक-पक्ष — तार्बा यादम

कृति-संधान

तानी दर्शन की विश्व दृष्टि : जिमी-जमा की आँखें सब देख रही हैं — देवराज

शोध-वातायन

अरुणाचल प्रदेश: लोक-साहित्य और हिंदी अनुसंधान — संतिमो निमासो

संस्मरण

अरुणाचल प्रवास के मेरे अविस्मरणीय दिन नंद किशोर पाण्डेय

लोकश्रुति नाट्य

हारमती निर्वासन मुनीन्द्र मिश्र

सिने-साक्षात्कार

परदे की खिड़की और दरवाजे खोले जाने का सही समय यही है
(फ़िल्मकार एवं लेखक ताई तुगुङ से याई न्योकिर की बातचीत)

पुस्तक समीक्षा

अनकही दास्तान: मामांग दाई की कृति 'काली पहाड़ी' नानाङ यीराङ

अरुणाचली स्त्री के श्रम, संघर्ष और साहस का जीवंत दस्तावेज 'मेरी आवाज़ सुनो' राजीव रंजन प्रसाद